

**Law of Contracts and Torts [संविदा तथा अपकृत्य विधि]**

Time Allowed: 3 hours

Maximum Marks: 150

समय: 3 घण्टे

पूर्णांक : 150

*Marks are indicated against each question*

प्रत्येक प्रश्न के अंक अंत में दिए गए हैं

*Answer six questions, taking three from each Part*

प्रत्येक भाग से तीन प्रश्नों का चयन करते हुए कुल छः प्रश्नों के उत्तर दें

**Part—I [भाग—I]**

**(Law of Contracts / संविदा विधि )**

1. (a) Define and explain the importance of consideration in the formation of a valid contract. Is it possible to have a valid contract without consideration? Discuss it with the circumstances in which absence of consideration will not affect the contract.

$$5 + 5 + 5 = 15$$

एक विधिमान्य संविदा के निर्मित होने के लिए प्रतिफल के महत्त्व को बताते हुए उसकी परिभाषा का उल्लेख करें। क्या प्रतिफल के बिना एक विधिमान्य संविदा सम्भव है? उन परिस्थितियों की विवेचना करते हुए उल्लेख करें जिनमें प्रतिफल का न होना संविदा को प्रभावित नहीं करेगा।

(b) Examine the validity of the following agreement:

A enters into an agreement with B that he will not carry on the business of medicine within his entire area mentioned. Is the agreement enforceable against B?

10

निम्नलिखित करार की वैधता की जाँच करें:

A, B से एक करार करता है कि वह उसके द्वारा निर्धारित पूरे क्षेत्र के अन्दर औषध का व्यापार नहीं करेगा। क्या यह करार B के विरुद्ध प्रवर्तनीय है?

2. How and when communication of proposal and acceptance is complete as against the party standing opposite to the other? Explain with the help of one example in each above case.

Can A revoke the proposal made by him to B which was accepted by him and thereafter A became insane and the communication of this fact was made to B by A's legal representative.

$$(10+5)+10=25$$

प्रस्ताव और स्वीकृति की संसूचना कैसे और कब एक-दूसरे पक्षकारों के विरुद्ध सम्पूर्ण मानी जाएगी? उपर्युक्त प्रत्येक अवस्था का एक-एक उदाहरण के साथ उल्लेख करें।

क्या A उसके द्वारा B को दिये गये प्रस्ताव का प्रतिसंहरण कर सकता है, जहाँ प्रस्ताव की स्वीकृति B द्वारा किये जाने के तुरन्त बाद A पागल हो जाता है, जिसकी सूचना उसके विधिक प्रतिनिधि द्वारा B को दे दी जाती है।

3. Discuss the principle of law in a contract, where two or more persons have made a joint promise and if one of such joint promisor dies after making such promise.

In a contract A, B and C jointly promise to pay D a sum of rupees 6,000. C is compelled to pay the whole. A has been declared as insolvent but the value of his assets is sufficient to pay half of his part of the debt. What will be the extent of C's right against A and B? Discuss.

$$15+10=25$$

संविदा विधि के अन्तर्गत विधि के सिद्धान्त की विवेचना करें, जहाँ दो या अधिक व्यक्ति एक संयुक्त वचन देते हैं और उनमें से किसी एक वचनग्रहीता की मृत्यु वचन देने के पश्चात् हो जाती है।

एक सविदा के अन्तर्गत A, B और C संयुक्त रूप से D को 6,000 रुपये देने का वचन देते हैं। C सम्पूर्ण रुपया वापस देने के लिए बाध्य होता है। A दिवालिया घोषित हो जाता है, किन्तु उसकी सम्पत्ति का मूल्य उसके द्वारा देय कर्ज के भाग का आधा मूल्य चुकता करने के बराबर है। इन परिस्थितियों में C का A और B के विरुद्ध किस सीमा तक अधिकार होगा? उल्लेख करें।

4. In a contract the parties to it are held liable to perform their obligations as per the terms of the contract but their may be circumstances where there is no contract between the parties, but a person is held liable to make good for those necessities which he had taken from another person at the time of his need. Discuss the above with the help of the principle dealing with the above case in the law of contract. 25

एक सविदा के अन्तर्गत इसके पक्षकार अपना-अपना दायित्व सविदा की शर्त के अनुसार पालन करने के लिए दायी होते हैं, किन्तु कुछ ऐसी भी अवस्थाएं होती हैं जहाँ पक्षकारों के बीच कोई सविदा नहीं होती, किन्तु एक व्यक्ति जिसने किसी दूसरे व्यक्ति से अपने जरूरत के समय कोई मदद ली है उसे वापस करने के लिए दायी करार माना जाता है उपर्युक्त कथन से संबंधित सिद्धान्त की विवेचना सविदा विधि के अन्तर्गत दिये गये प्रावधान की सहायता से करें।

5. (a) What is bailment? Discuss the duty and liability of the bailor and bailee with regard to the goods bailed. 15

उपनिधान क्या है? उपनिहित माल के सम्बन्ध में उपनिधाता और उपनिहिती के कर्तव्य और दायित्व का उल्लेख करें।

- (b) Write short notes on any **two** of the following: 10

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें:

- (i) An agreement to do an impossible act

एक असम्भव कार्य के करने का करार

- (ii) Wagering contract/पद्यम् करार

- (iii) Misrepresentation in a contract/करार के अन्तर्गत दुर्व्यपदेशन

Part—II [भाग—II]

(Law of Torts/ अपकृत्य विधि)

6. What is tort? Define it. Is it possible to have an universal definition of tort? Justify your opinion by giving reasons thereof. Differentiate tort with crime.

5+10+10=25

अपकृत्य क्या है? परिभाषित करें। क्या अपकृत्य का सार्वभौम परिभाषा सम्भव है? अपने विचारों को कारणों के साथ न्यायसर्गिक करें। अपकृत्य और अपराध के बीच अन्तर बताएँ।

7. It is not all damages caused by any person is actionable in law of tort but the damage caused by violating the legal right of a person is actionable. Discuss it with the help of case laws explaining the above principle.

25

अपकृत्य विधि के अन्तर्गत सभी प्रकार की क्षति वाद योग्य नहीं होती, बल्कि वो क्षति जो किसी व्यक्ति के विधिक अधिकार के हनन द्वारा होती है, वाद योग्य मानी जाती है। इस कथन की विवेचना उन वादों की सहायता से करें जिनमें उपर्युक्त सिद्धान्त का उल्लेख किया गया है।

8. What is tort of conversion? What are the essentials which the plaintiff has to prove in an action for conversion? Explain the various modes through which act of conversion may be effected.

5+5+15=25

संपरिवर्तन अपकृत्य क्या है? एक संपरिवर्तन अपकृत्य के वाद में वादी को किन आवश्यकताओं को सत्यापित करने की आवश्यकता होती है? उन विभिन्न तरीकों का उल्लेख करें जिनके द्वारा संपरिवर्तन का कृत्य प्रभावी होता है।

9. A person in law of tort is held responsible for direct consequences of his wrongful act and not for all consequential damage or damages of his wrongful act. What tests have been provided in law of tort to held a person responsible for consequential wrongful act of his own? Discuss with the help of leading case laws. 5+10+10=25

अपकृत्य विधि के अन्तर्गत एक व्यक्ति अपने द्वारा किये गये किसी दोषपूर्ण कार्य के द्वारा उत्पन्न प्रत्यक्ष नतीजे के लिए, न कि सभी प्रकार की क्षति जो उसके दोषपूर्ण कार्य के द्वारा घटित हुआ है, के लिए दायी माना जाता है। अपकृत्य विधि के अन्तर्गत कौन-कौन सी विधियाँ बताई गई हैं, जिसके द्वारा कोई व्यक्ति अपने द्वारा किये गये दोषपूर्ण कार्य के लिए दोषी निर्धारित किया जाएगा? प्रमुख वादों की सहायता से उल्लेख करें।

10. Reputation of a person is considered as a more valuable property than any other. What protection is provided to a person to protect this right in the law of tort? What are the different ways through which this right can be violated? Is there any difference between Indian and English law on this subject? Discuss. 5+5+10+5=25

किसी व्यक्ति का मान अन्य सम्पत्ति की अपेक्षा एक अधिक मूल्यवान सम्पत्ति माना जाता है। इस अधिकार की सुरक्षा के लिए अपकृत्य विधि के अन्तर्गत क्या सुरक्षा प्रदान की गई है? वे कौन-कौन से तरीके हैं जिनके द्वारा इस अधिकार का हनन होता है? क्या इस विषय पर भारतीय और आँग्ल विधि में कोई अन्तर है? उल्लेख करें।

